डी.डी.टी. का छिड़काव , काला–ज़ार से बचाव

काला–ज़ार से बचाव के लिए डी.डी.टी. का छिड़काव
अत्यन्त आवश्यक है।
अपने घरों के पूर्ण छिड़काव में अपना सक्रिय योगदान दें।

- **काला–ज़ार फैलाने वाली बालू मक्खी का नाश करने के लिए डी.डी.टी. का छिड़काव करवाँए।**
- **काला–ज़ार से बचने के लिए साल मे दो बार डी.डी.टी. का छिड़काव अवश्य करवाँए।**
- **हर घर, हर गौहाल के अंदर की दीवारों पर ६ फुट तक डी.डी.टी. का छिड़काव अवश्य करवाँए।**
- **डी.डी.टी. छिड़काव के बाद किसी प्रकार का कोई लेप या पुताई न करें। ऐसा करने से डी.डी.टी. दवाई का असर समाप्त हो जाता है।**

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम निदेशालय,
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

काला–ज़ार से अगर छुटकारा है पाना
डी.डी.टी. छिड़काव अवश्य करवाना

काला–ज़ार से बचाव के लिए डी.डी.टी. का छिड़काव
अत्यन्त आवश्यक है।
अपने घरों के पूर्ण छिड़काव में अपना सक्रिय योगदान दें।

- **काला–ज़ार फैलाने वाली बालू मक्खी का नाश करने के लिए डी.डी.टी. का छिड़काव करवाँए।**
- **काला–ज़ार से बचने के लिए साल मे दो बार डी.डी.टी. का छिड़काव अवश्य करवाँए।**
- **हर घर, हर गौहाल के अंदर की दीवारों पर ६ फुट तक डी.डी.टी. का छिड़काव अवश्य करवाँए।**
- **डी.डी.टी. छिड़काव के बाद किसी प्रकार का कोई लेप या पुताई न करें। ऐसा करने से डी.डी.टी. दवाई का असर समाप्त हो जाता है।**

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम निदेशालय,
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

मुफ्त जाँच और मुफ्त इलाज का लाभ उठाँए, काला - ज़ार से मुक्ति पाँए

काला–ज़ार के लक्षण -

- दो हफ्ते से अधिक लगातार बुखार होना (जो ऐन्टिबॉयटिक या मलेरिया की दवा से ठीक नहीं हो रहा है)
- तिल्ली (स्पलीन) एवं जिगर (लिवर) का बढ़ जाना
- वज़न में गिरावट
- भूख न लगना

इन लक्षणों के होने पर खून की जाँच तुरन्त करवाँए। यदि काला–ज़ार हो तो पूर्ण इलाज करवाँए। कृपया सभी रोगी अपने उपचार कार्ड की एक प्रतिलिपि अपने पास अवश्य रखें ।

काला–ज़ार की जाँच व इलाज हर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं अस्पताल में मुफ्त उपलब्ध है।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम निदेशालय,
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

काला–ज़ार जानलेवा हो सकता है
काला–ज़ार की तुरन्त जांच एवं उपचार अति आवश्यक है

काला–ज़ार के लक्षण :

- दो हफ्ते से अधिक लगातार बुखार होना (जो ऐन्टिबॅायटिक या मलेरिया की दवा से ठीक नहीं हो रहा है)
- तिल्ली(स्प्लीन) एवं जिगर (लिवर) का बढ़ जाना
- वज़न में गिरावट
- भूख न लगना

यह लक्षण आते ही खून की जांच अति आवश्यक है।

काला–ज़ार का उपचार :

उपचार प्रणाली	दवा	समय अवधि
इंजेक्शन 'सोडियम स्टीबो ग्लूकोनेट' (एस.एस.जी.)	२० मि.ग्राम प्रति किलो शरीर के वज़न के अनुसार	२० दिन तक रोज़ाना इंजेक्शन लगवाँए
इंजेक्शन 'एम्फोटेरिसिन–बी'	१ मि.ग्राम प्रति किलो शरीर के वज़न के अनुसार	१५ दिनों तक एकान्तर इन्ट्रावीनॅस इन्फ्यूज़न द्वारा लगवाँए (काला–ज़ार के रोगी कृपया यह उपचार अस्पताल में भर्ती होकर करवाँए)

- उपचार पूरा न होने पर काला–ज़ार पुनः हो सकता हैं।
- सरकारी अस्पताल में भर्ती काला–ज़ार के रोगी को मुफ्त दवाँए उपलब्ध है।
- कृपया सभी रोगी अपने उपचार कार्ड की एक प्रतिलिपि अपने पास अवश्य रखें ।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम निदेशालय,
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

काला–ज़ार से अब मुक्ति पाना होगा
पूरा उपचार अवश्य करवाना होगा

काला–ज़ार के लक्षण :

- दो हफ्ते से अधिक लगातार बुखार होना (जो ऐन्टिबॉयटिक या मलेरिया की दवा से ठीक नहीं हो रहा है)
- तिल्ली(स्प्लीन) एवं जिगर (लिवर) का बढ़ जाना
- वज़न में गिरावट
- भूख न लगना

काला–ज़ार के लक्षण आते ही खून की जांच अति आवश्यक है

काला–ज़ार का उपचार :

उपचार प्रणाली	दवा	समय अवधि
इंजेक्शन 'सोडियम स्टीबो ग्लूकोनेट' (एस.एस.जी.)	२० मि.ग्राम प्रति किलो शरीर के वज़न के अनुसार	२० दिन तक रोज़ाना इंजेक्शन लगवाँए
इंजेक्शन 'एम्फोटेरिसिन–बी'	१ मि.ग्राम प्रति किलो शरीर के वज़न के अनुसार	१५ दिनों तक एकान्तर इन्ट्रावीनॅस इन्फ्यूज़न द्वारा लगवाँए (काला–ज़ार के रोगी कृपया यह उपचार अस्पताल में भर्ती होकर करवाँए)

- **उपचार पूरा न होने पर काला–ज़ार पुनः हो सकता हैं।**
- **सरकारी अस्पताल में भर्ती काला–ज़ार के रोगी को मुफ्त दवाँए उपलब्ध है।**
- कृपया सभी रोगी अपने उपचार कार्ड की एक प्रतिलिपि अपने पास अवश्य रखें ।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम निदेशालय,
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

मिल्टेफोसिन दवा है बड़ी असरदार जिससे काबू होगा काला–ज़ार

अगर कोई भी व्यक्ति काला–ज़ार से पीड़ित हैं, तब मिल्टेफोसिन दवा का ४ सप्ताह तक सेवन करना अति आवश्यक है ।

- मिल्टेफोसिन एक सुरक्षित एवं प्रभावकारी दवा है ।
- यह दवा खाली पेट न खायें ।
- मिल्टेफोसिन दवा ४ सप्ताह तक नियमपूर्वक न लेने से काला–ज़ार पुनः हो सकता है ।
- दो साल से कम उम्र के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को मिल्टेफोसिन दवा नहीं लेनी है ।
- मिल्टेफोसिन दवा हर सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रो में मुफ्त उपलब्ध है ।
- कृपया सभी रोगी अपने उपचार कार्ड की एक प्रतिलिपि अपने पास अवश्य रखें ।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम निदेशालय,
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

काला–ज़ार का नया उपचार

अगर आप काला–ज़ार से पीड़ित हैं, तब आप मिल्टेफोसिन दवा के कैप्सूल का ४ सप्ताह तक सेवन अवश्य करें ।

- मिल्टेफोसिन एक सुरक्षित एवं प्रभावकारी दवा है ।
- यह दवा खाली पेट न खायें ।
- मिल्टेफोसिन दवा ४ सप्ताह तक नियमपूर्वक न लेने से काला–ज़ार पुनः हो सकता है ।
- दो साल से कम उम्र के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को मिल्टेफोसिन दवा नहीं लेनी है ।
- मिल्टेफोसिन दवा हर सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रो में मुफ्त उपलब्ध है ।
- कृपया सभी रोगी अपने उपचार कार्ड की एक प्रतिलिपि अपने पास अवश्य रखें ।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम निदेशालय,
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

मिल्टेफोसिन - काला–ज़ार की एक नई दवा

प्रत्येक स्वास्थ्य केन्द्र पर मिल्टेफोसिन दवा अब मुफ्त उपलब्ध है

मिल्टेफोसिन दवा की मात्रा

आयु (वर्ष)	वज़न	खुराक	समय
२-१२ वर्ष तक		१ कैप्सूल ५० मि.ग्राम प्रतिदिन ४ सप्ताह के लिए	एक कैप्सूल सुबह (खाने के बाद)
१२ वर्ष से अधिक	२५ किलो से अधिक	२ कैप्सूल ५० मि.ग्राम प्रतिदिन ४ सप्ताह के लिए	एक कैप्सूल सुबह , एक कैप्सूल शाम (खाने के बाद)
१२ वर्ष से अधिक	२५ किलो से कम	१ कैप्सूल ५० मि.ग्राम प्रतिदिन ४ सप्ताह के लिए	एक कैप्सूल सुबह (खाने के बाद)

* दो साल से कम उम्र के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को दवा मिल्टेफोसिन दवा को नहीं लेनी है ।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम निदेशालय,
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

काला–ज़ार जाँचने का नया तरीका

काला–ज़ार रोग की जाँच अब बहुत आसान -
रैपिड डाइअॅगनॉस्टिक डिपस्टिक **(rK 39)**
केवल खून की जाँच द्वारा ही किया जाता है ।

रैपिड डाइअॅगनॉस्टिक डिपस्टिक टेस्ट (rK 39) प्रत्येक स्वास्थ्य केन्द्र में मुफ्त उपलब्ध है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम निदेशालय,
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

काला–ज़ार की जाँच अब है आसान
rK 39 से तुरन्त निकले परिणाम

क्या आप जानते हैं?

रैपिड डाइऍगनॉस्टिक डिपस्टिक (rK 39)

केवल खून की जाँच द्वारा ही किया जाता है ।

रैपिड डाइऍगनॉस्टिक डिपस्टिक टेस्ट

(rK 39) प्रत्येक स्वास्थ्य केन्द्र में मुफ्त उपलब्ध है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम निदेशालय,
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

काला–ज़ार की जाँच अब हुई आसान
rK 39 से पाँए तुरन्त ही परिणाम

अब रैपिड डाइअॅगनॉस्टिक टेस्ट (rK 39) का परिणाम तुरन्त

यदि आप
काला–ज़ार के लक्षणों
से पीड़ित हैं जैसे

- दो हफ्ते से अधिक लगातार बुखार जो ऐन्टिबॉयटिक या मलेरिया की दवा से ठीक न हो,
- तिल्ली (स्पलीन) एवं जिगर (लिवर) का बढ़ जाना,

तो खून की जाँच
तुरन्त करवाँए

रैपिड डाइअॅगनॉस्टिक टेस्ट (rK 39)
प्रत्येक स्वास्थ्य केन्द्र पर मुफ्त उपलब्ध है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम निदेशालय,
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

अब मरीज़ को कष्ट से छुटकारा
केवल खून की जाँच द्वारा

अब रैपिड डाइऍगनॉस्टिक डिपस्टिक टेस्ट (rK 39)
का परिणाम केवल दस मिनट में ...

यदि आप
काला–ज़ार के लक्षणों
से पीड़ित हैं जैसे

- दो हफ्ते से अधिक लगातार बुखार जो ऐन्टिबॉयटिक या मलेरिया की दवा से ठीक न हो,
- तिल्ली (स्पलीन) एवं जिगर (लिवर) का बढ़ जाना,

तो खून की जाँच
तुरन्त करवाँए

रैपिड डाइऍगनॉस्टिक डिपस्टिक टेस्ट (rK 39)
प्रत्येक स्वास्थ्य केन्द्र पर मुफ्त उपलब्ध है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम निदेशालय,
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

मुफ्त जाँच और इलाज का फायदा उठाँए,
काला-ज़ार से तुरन्त ही मुक्ति पाँए

काला–ज़ार के लक्षण :

१) दो हफ्ते से अधिक लगातार बुख़ार जो ऐन्टिबॉयटिक या मलेरिया की दवा से ठीक न हो
२) तिल्ली (स्पलीन) एवं जिगर (लिवर) का बढ़ जाना

जांच

- काला–ज़ार के लक्षण होने पर खून की जांच तुरन्त करवाँए ।
- खून की जांच रैपिड डाइअॅगनॉस्टिक डिपस्टिक टेस्ट (rK 39) द्वारा की जाती है । जांच के परिणाम केवल दस मिनट में उपलब्ध हो जाते है ।
- रैपिड डाइअॅगनॉस्टिक डिपस्टिक टेस्ट (rK 39) प्रत्येक स्वास्थ्य केन्द्र पर मुफ्त उपलब्ध है ।

उपचार

- काला–ज़ार के रोगी मिल्टेफोसिन दवा के कैप्सूल ४ हफ्ते तक लगातार अवश्य खायें ।
- याद रहे अब काला–ज़ार के उपचार के लिए इंजेक्शन लगवाने की कोई आवश्यकता नहीं है ।
- कृपया दवा खाली पेट न खायें । कृपया सभी रोगी अपने उपचार कार्ड की एक प्रतिलिपि अपने पास अवश्य रखें ।

सावधानियाँ :

✓ दो साल से कम उम्र के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को मिल्टेफोसिन दवा नहीं लेनी है ।
✓ काला–ज़ार का पूरा उपचार करवाना अनिवार्य है ।
✓ उपचार पूरा न होने पर पुनः काला–ज़ार हो सकता है ।

मिल्टेफोसिन दवा के कैप्सूल सरकार द्वारा मुफ्त उपलब्ध हैं

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम निदेशालय,
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार